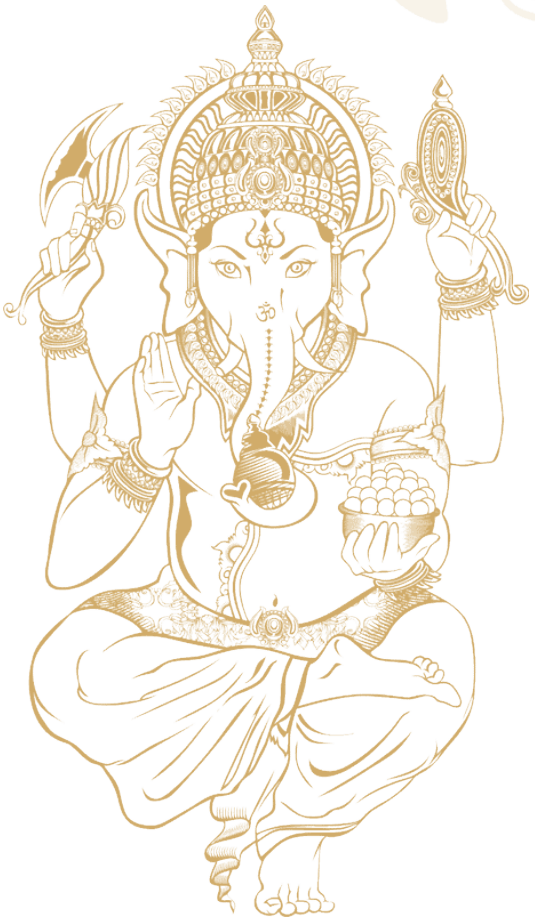

Ashish Ahuja

Ridhima

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121747611

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
23/12/1994	जन्म तिथि	15/10/1996
शुक्रवार	दिन	मंगलवार
घंटे 11:00:00	जन्म समय	17:04:00 घंटे
घटी 09:06:26	जन्म समय(घटी)	26:26:44 घटी
India	देश	India
Ludhiana	स्थान	Ludhiana
30:56:00 उत्तर	अक्षांश	30:56:00 उत्तर
75:52:00 पूर्व	रेखांश	75:52:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:32	स्थानिक संस्कार	-00:26:32 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:21:25	सूर्योदय	06:29:18
17:29:39	सूर्यास्त	17:54:56
23:47:25	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:45

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
केतु 3वर्ष 10मा 18दि	07:20:17	कुंभ	लग्न	मीन	11:33:02	शनि 18वर्ष 6मा 28दि
चन्द्र	07:21:38	धनु	सूर्य	कन्या	28:34:47	बुध
10/11/2024	05:56:04	सिंह	चंद्र	वृश्चि	03:37:48	14/05/2015
11/11/2034	08:10:38	सिंह	मंगल	कर्क	27:45:53	14/05/2032
चन्द्र 11/09/2025	12:30:45	धनु	बुध	कन्या	16:29:50	बुध 10/10/2017
मंगल 12/04/2026	09:08:44	वृश्चि	गुरु	धनु	16:40:12	केतु 07/10/2018
राहु 12/10/2027	22:30:52	तुला	शुक्र	सिंह	19:26:54	शुक्र 07/08/2021
गुरु 10/02/2029	13:31:17	कुंभ	शनि व	मीन	08:44:26	सूर्य 14/06/2022
शनि 11/09/2030	19:46:35	तुला व	राहु व	कन्या	14:10:08	चन्द्र 13/11/2023
बुध 10/02/2032	19:46:35	मेष व	केतु व	मीन	14:10:08	मंगल 09/11/2024
केतु 10/09/2032	01:11:13	मक	हर्ष	मक	06:50:31	राहु 30/05/2027
शुक्र 12/05/2034	28:27:24	धनु	नेप	मक	01:11:09	गुरु 04/09/2029
सूर्य 11/11/2034	05:26:09	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	07:40:29	शनि 14/05/2032

लग्न-चलित

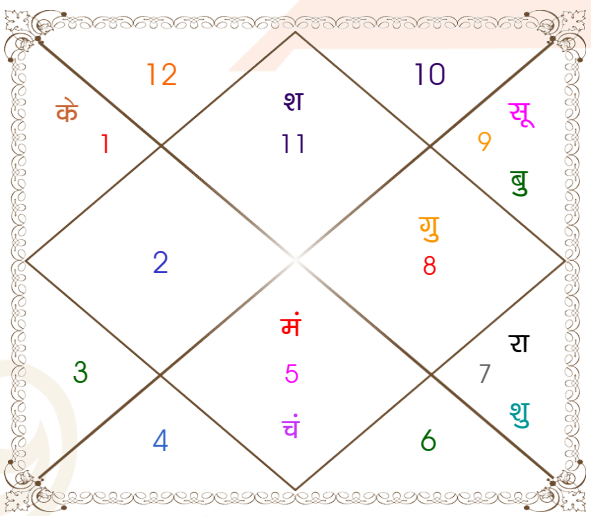

लग्न-चलित

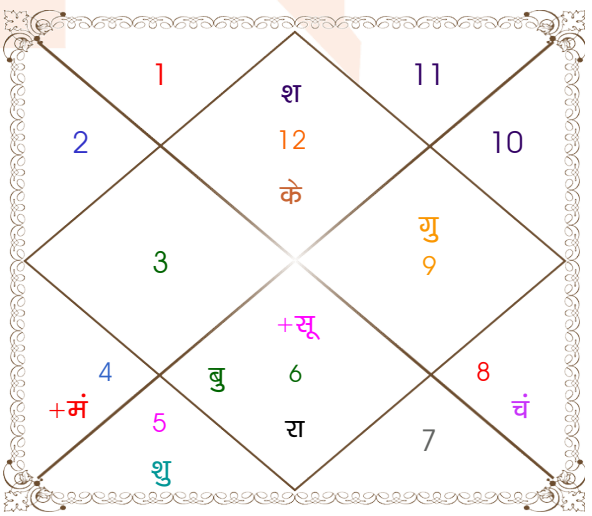

HARE KRISHNA ASTRO
ASTROLOGER SANDEEP ARORA
Shiffali Park Street , Sunder Nagar
Ludhiana .
9877727067

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	वनचर	कीटक	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मूषक	मृग	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	सूर्य	मंगल	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	सिंह	वृश्चिक	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	24.50		

ोपी ीनरं का वर्ग मूषक है तथा त्पकीपउं का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ोपी ीनरं और त्पकीपउं का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

ोपी ीनरं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र ोपी ीनरं कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्पकीपउं मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु त्पकीपउं कि कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

ोपी ीनरं तथा त्पकीपउं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।